While 175 persons had been arrested in 1987 by the Bureau, 89 persons had been arrested up to September, 1988 (Though the Bureau was created in 1986, it became operational only in 1987).

No precise value, either in national or international markets, of the seized drugs, can be indicated as this is dependent upon various factors like quality of drugs, places of origin and sale, local demand and supply, etc.

(b) The confiscated drugs, ripe for disposal, are destroyed by burning. However, opium, thebaine and morphine, found fit for further processing, are required to be sent to the Government opium factories for further cycling.

(c) The confiscated drugs are not sold either in the domestic or international markets. As such, the question does not arise.

गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चे के कार्यकर्ताओं द्वारा हथियारों का समर्पण

194. **श्री राम जेटमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा के अनुयायियों द्वारा भारी मात्रा में हथियार और गोली बारूद का समर्पण किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो अब तक समर्पित किये गये हथियारों की संख्या और किस्म क्या है;

(ग) क्या सरकार को गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चे के सक्रिय कार्यकर्त्ताओं के पास भारी मात्रा में हथियारों के रखे होने की जानकारी थी; और

(घ) यदि हां, तो उन्हें ये हथियार कहां से और कब प्राप्त हुए ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) जी हां, श्रीमान ।

(ख) एक विवरण संलग्न है ।

(ग) और (घ) इस संबंध में कोई विशिष्ट सूचना नहीं थी ।

विवरण

समर्पित किये गए हथियार (राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार)	14-10-1988 तक समर्पित किये गये हथियारों की संख्या
1	2
एम. एल. आर. बन्दूक	1
स्टेनगन	2
राईफल	19
दोनाली बंदूकें	63
एक नाली बंदूक	147
मस्कट	11
पिस्तौल	14
रिवाल्वर	7
इम्प्रोवाईज्ड बंदूक	9086
इम्प्रोवाइज्ड पिस्तौल/बंदूक	2049

(1)	(2)
इम्प्रोवाईज्ड स्टेनगन	5
हवाई बंदूक	12
गैस बंदूक	1
हथगोले	67
भू-सुरंगे	219
बम्ब	5179
मोर्टार	5
विस्फोटक/जैलाटिन	140 किलो ग्राम
डिटोनेटर	350
कार्तूस	2623
तोप	63
विद्युत फ्यूज़	127
पोटाशियम सायनाईड	2 पैकेट
गोलियां	2623 तथा कई तीर और कमान

विदेशी मुद्रा के भंडार में कमी

195. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष में विदेशी मुद्रा के भंडार में और कमी होने के कुछ संकेत प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में विदेशी मुद्रा का कितना भंडार था; और

(ग) विदेशी मुद्रा के भंडार में लगातार गिरावट आने के क्या कारण हैं और इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए इस अवधि के दौरान क्या-क्या विशेष कदम उठाए गए हैं?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडवर्डो फलेरियो) : (क) और (ख) जी, नहीं। विदेशी मुद्रा प्रारक्षित भंडार (सोने और विशेष आहरण अधिकारों को छोड़कर), जो 31-3-1988 को 7287.14 करोड़ रुपए के थे तथा 30-9-1988 को कम होकर 5461 करोड़ रुपए रह गए थे; अब वे प्रारक्षित भंडार बढ़कर 31-10-1988 को 6382.82 करोड़ रुपए के हो गए हैं।

(ग) उपलब्ध संकेतों के अनुसार प्रारक्षित भंडारों में कमी, कुछ आयात अदायगियों के एक साथ इकट्ठे हो जाने, धातुओं, खाद्य तेलों, पेट्रो-रसायनों और अन्य आयात के लिए असामान्य ऊंची अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों, पिछले वर्ष के अप्रत्याशित सूखे के कारण आवश्यक हुई। डीजल, खाद्य तेल, इस्पात और गेहूं जैसी थोक वस्तुओं के आयात में वृद्धि और पिछले वर्ष की तुलना में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से सहायता की कम निवल पावतियां और अधिक वापसी अदायगियों के कारण थीं।

भुगतान शेष की स्थिति के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई विशेष कार्रवाई योजना का उद्देश्य अतिरिक्त निर्यात निष्पन्न करना, आयातों को नियंत्रित करना और अनिवासी भारतीयों की जमा राशियों बांडों के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय को बढ़ाना, अतिरिक्त प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष निवेश और पर्यटन प्राप्तियां बढ़ाने के उपाय करना है।